महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-05

अप्रैल, 2024

## भारतीय पौराणिक कथाएं : महिला सशक्तिकरण और नेतृत्व पर अंतर्दृष्टि

भारतीय पौराणिक कथाओं और संस्कृति में कुछ अनुष्ठानों और परंपराओं में एक विशिष्ट गुण है जहां महिलाओं का नाम अक्सर पुरुषों से पहले आता है। यह प्रथाएं दुनिया भर में कई अन्य संस्कृतियों के विपरीत, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और पारंपरिक लैंगिक मानदंडों को चुनौती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय पौराणिक कथाओं और सांस्कृतिक प्रथाओं की जांच करने पर, यह स्पष्ट हो जाता है कि यह अनूठी परंपरा न केवल महिलाओं के महत्व का जश्न मनाती है, बल्कि पुरुषों के साथ उनकी बराबरी का भी प्रतीक है।

भारतीय पौराणिक कथाओं में महिलाओं की भूमिका विशेषकर मारकण्डेय पुराण, देवी भागवत पुराण, श्रीमद् भागवत पुराण से ज्ञात होता है कि कई महिला देवता शक्ति, ज्ञान और ताकत जैसे दिव्य गुणों का प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। ज्ञान की अवतार सरस्वती और शक्ति की प्रतीक दुर्गा जैसी देवियाँ स्त्री गुणों की पूजा का उदाहरण हैं। ये देवियाँ केवल सहचरी या निष्क्रिय इकाई नहीं हैं, बल्कि अपने आप में स्वतंत्र और शक्तिशाली हैं। उनकी कहानियाँ सशक्तिकरण, निडरता और लचीलेपन पर जोर देती हैं। ये कथाएँ सामाजिक दृष्टिकोण को आकार देने और एक रूपरेखा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो इन देवी-देवताओं द्वारा प्रतीकित गुणों को महत्व देती हैं।

**स्त्रियों का अध्ययन और अध्यापन में योगदानः** वैदिक साहित्य और पौराणिक ग्रन्थों से प्रमाण मिलते हैं कि उस युग में बालकों के समान बालिकाओं का भी उपनयन संस्कार होता था और वे भी गुरुओं के आश्रम में रहकर ब्रह्चर्य का पालन कर विद्या अध्ययन करती थीं। स्वर्णवती नाम की महिला का सभी विद्याओं में प्रकाण्ड विद्वान थी ऐसा ज्ञात होता है। क्षत्रिय स्त्रियां धनुर्वेद अर्थात् युद्धविद्या की भी शिक्षा ग्रहण करती थीं। हारीत संहिता बताती है कि वैदिक काल में स्त्रीशिक्षा के दो रूप थे।

1. सद्योवधू (वे विवाह होने से पूर्व ज्ञान प्राप्त करने वाली) तथा 2. ब्रह्वादिनी (ब्रह्चर्य का पालन कर जीवनपर्यंत ज्ञनार्जन करने वाली)। सद्योवधू या सद्योद्वाहावर्ग की कन्याएं उन समग्र विद्याओं का शिक्षण प्राप्त करती थीं जो उन्हें सद्गृहिणी बनाने में सहायक होती थीं। वेद अध्ययन के अतिरिक्त इन्हें गीत-संगीत, नृत्य, चित्रकला, शिल्प व शस्त्रविद्या आदि कुल चौसठ कलाओं की शिक्षा दी जाती थी। गौरतलब हो कि ये उपनिषद कालीन ब्रह्वादिनियां आज भी हिन्दू समाज के विद्वत वर्ग में प्रकाश स्तंभ के रूप में श्रद्धा से पूजी जाती हैं।

**संगीत कलाः** शतपथ ब्राह्मण में उल्लेख मिलता है कि श्रीराम के गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में संगीत व पर्यावरण संरक्षण का शिक्षण उनकी महान विदुषी पत्नी अरुन्धति ही देती थीं। स्कन्दपुराण में नागकन्या रत्नावली का अपनी दो सखियों के साथ संगीत का उल्लेख है। **तिस्रोपि गीतं गायन्ति... कुर्वत। स्कन्दपुराण काशीखण्ड**

**चित्रकलाः** पद्मपुराण में उल्लेख आता है कि सारंग नाम के गोप की कन्या रंगवेणी चित्रकला में बहुत प्रसिद्ध थी।

**गृहस्थ आश्रम में स्त्रीः** पुराणों के अनुसार स्त्री गृहस्थ आश्रम का आधार है पुरुष भार्या के बिना अर्धपुरुष ही रहता है **पुमान् अर्ध पुमां तावद् यावद् भार्या न विन्दति** भविष्य पुराण, सप्तम अध्याय। नर-नारी के रूप में संयुक्त शक्ति ही सृष्टि का मूलकारण है। विष्णु पुराण पुरुष का सबसे बड़ा **मित्र-नास्ति भार्यासमं मित्रम्** । बृहद धर्मपुराण पूर्वखंड नाी सबसे बड़ी मार्गदर्शक स्कंद्पुराण।

**अनुष्ठानों में महिलाओं का महत्वः** हिंदू अनुष्ठानों और समारोहों में, महिलाओं का महत्व स्पष्ट रूप से देखा जाता है, यह प्रथा इन पवित्र परंपराओं में महिलाओं की गहन भूमिका और प्रासंगिकता का प्रतीक है।

**माता के रूप में स्त्री का महत्व :** पुराणों में भी वैदिक साहित्य के तरह माता का स्थान सर्वोच्च है **मातृ देवो भव** माता के समान दूसरा कोई गुरु नहीं **नास्ति मातृसमो गुरु** - बृहद धर्मपुराण।

**राजनीति विषयक उपदेश और सैन्य शिक्षाः** पुराणों में अनेक वीरांगनाओं द्वारा युद्ध का नेतृत्व करने और राजनीति विषय पर उपदेश का उल्लेख आता है जिसमें मारकण्डेय पुराण में राजमहिषी इन्द्रसेना द्वारा अपने पुत्र दम को राजनीती विषयक उपदेश का उल्लेख मिलता है। वायुपुराण में भृगु ऋषि की पत्नी कव्यमाता द्वारा असुरों को अभय एवं विष्णु तथा इन्द्र को युद्ध की चुनौती। जिसके कारण युद्ध को ही रोकना पड़ा। मारकण्डेय पुराण रेवा खण्ड में उल्लेखित है कि महिषासुर, शुम्भ, निशुम्भ आदि राक्षसों से सभी देवताओं के हार जाने पर माता दुर्गा और अन्य देवियों ने युद्ध का नेतृत्व किया राक्षसों को मार कर देवताओं की रक्षा किया। आज भी जनमानस नवरात्र में दुर्गा सप्तशती का नियमित पाठ करते हैं।

**प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर**

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

## अप्रैल माह विशेष

# रामनवमी

रामनवमी भारत में एक प्रमुख हिंदू त्यौहार है, जो राम जन्म दिवस या राम जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। ये त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है, जब भगवान राम का जन्म हुआ था। रामनवमी का महत्व भगवान राम के जीवन और कर्मों से जुड़ा हुआ है। राम भगवान के अवतार लेने, धर्म की रक्षा करने और अधर्मियों का विनाश करने का त्यौहार है। भगवान राम को भगवान विष्णु का सातवां अवतार कहा जाता है। रामायण रामायण जैसे हिंदू ग्रंथों के अनुसार, भगवान राम के जन्म को धर्म की रक्षा और बुराई पर विजय पाने के लिए दैवीय हस्तक्षेप के समय के रूप में देखा जाता है। यह त्योहार हिंदू परंपराओं में दृढ़ता से निहित है। यह आध्यात्मिक विकास और सद्गुण की खोज को दर्शाता है। इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। भक्त उपवास, प्रार्थना और पूजा के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति और दैवीय अनुग्रह के लिए प्रयास करते हैं। कई हिंदू धर्मग्रंथों में रामनवमी के उत्सव और इसके बारे में किंवदंतियों जैसे कालिका पुराण, ब्रह्म संहिता और वाल्मिकी रामायण आदि का उल्लेख है। रामनवमी को पांच प्रमुख पवित्र हिंदू त्योहारों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान राम की पूजा के साथ उपवास और प्रार्थना करने से आध्यात्मिक विकास और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार राम नवमी पर अयोध्या में स्थापित रामलला का सूर्याभिषेक किया गया।

इस दिवस पर लोग द्वारा राम मंदिरों में पूजा-अर्चना एवं रामलीला का आयोजन किया जाता है और रामायण पाठ किया जाता है। रामनवमी के दिन लोगों द्वारा राम के अवतार लेने, अधर्मियों का विनाश करने और धर्म की स्थापना करने के संकल्प के लिए जाते हैं। ये त्यौहार हिंदू धर्म और संस्कृति में एक प्रमुख स्थान रखता है और देश भर में विशाल स्थान पर मनाया जाता है। राम नवमी सिर्फ एक उत्सव से कहीं अधिक है, इसमें गहरे आध्यात्मिक पाठ और नैतिक सिद्धांत हैं। भगवान राम के जन्म का उत्सव कर्तव्य, करुणा और सच्चाई के सदियों पुराने पाठ को मजबूत करके सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है।

# हमारी विरासत

# महाऋषि पतंजलि

योगेन चित्तस्य पदेन वाचां मलं शरीरस्य च वैद्यकेन।
योऽपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां पतञ्जलिं प्राञ्जलिरानतोऽस्मि॥

(अर्थात् चित्त-शुद्धि के लिए योग (योगसूत्र), वाणी-शुद्धि के लिए व्याकरण (महाभाष्य) और शरीर-शुद्धि के लिए वैद्यकशास्त्र (चरकसंहिता) देने वाले मुनिश्रेष्ठ पतञ्जलि को प्रणाम।)

पतंजलि प्राचीन भारत के एक मुनि थे इनको शेषनाग के अवतार माना जाता है। इनका काल 200 ई. पू. माना जाता है। पतंजलि संभवत पुष्यमित्र शुंग (195–142 ई.पू.) के शासनकाल में थे। राजा भोज ने इन्हें तन के साथ मन का भी चिकित्सक कहा है। इन्होंने संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की। इन्होंने पाणिनि के अष्टाध्यायी पर अपनी टीका लिखी जिसे महाभाष्य का नाम दिया (महा+भाष्य) समीक्षा टिप्पणी, विवेचना, आलोचना)। इसके अतिरिक्त इन्होंने योग सूत्र की रचना की। जिसमें योग के 196 सूत्रों को संकलित किया गया है। महाऋषि पतंजलि को दुनिया का पहला योग गुरु माना जाता है। इन्होंने योग विद्या को सुव्यवस्थित रूप दिया। इन्होंने केवल शरीर शुद्धि की बात नहीं कि बल्कि योग को ध्यान से जोड़ा जिससे शरीर के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बढ़े। महाऋषि पतंजलि ने योग को अष्टांग या अष्टांगिक मार्ग के रूप में प्रतिपादित किया है। अष्टांग योग का अर्थ है जिसके आठ अंग हों।

वे आठ अंग यह हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। महर्षि पतंजलि ने योग को 'चित्त की वृत्तियों के निरोध' (योगः चित्तवृत्तिनिरोधः) के रूप में परिभाषित किया है। इसकी स्थिति और सिद्धि के निमित्त कतिपय उपाय आवश्यक होते हैं जिन्हें 'अंग' कहते हैं और जो संख्या में आठ माने जाते हैं। अष्टांग योग के अंतर्गत प्रथम पांच अंग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम तथा प्रत्याहार) 'बहिरंग' और शेष तीन अंग (धारणा, ध्यान, समाधि) 'अंतरंग' नाम से प्रसिद्ध हैं। बहिरंग साधना यथार्थ रूप से अनुष्ठित होने पर ही साधक को अंतरंग साधना का अधिकार प्राप्त होता है। योग दर्शनकार पतंजलि ने आत्मा और जगत् के संबंध में सांख्य दर्शन के सिद्धांतों का ही प्रतिपादन और समर्थन किया है। उन्होंने भी वही पचीस तत्त्व माने हैं, जो सांख्यकार ने माने हैं। इनमें विशेषता यह है कि इन्होंने कपिल की अपेक्षा एक और छब्बीसवाँ तत्त्व 'पुरुषविशेष' या ईश्वर भी माना है। महाऋषि पतंजलि को रसायन विद्या का भी विशिष्ट ज्ञान था। अभ्रक, विंदास, धातुयोग और लौहशास्त्र इनकी देन है।

समझौता ज्ञापन के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी जी व अन्य

**दिनांक 02 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) ने अनुसंधान एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर एमजीयूजी के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी और लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने किया। इस समझौते के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी आधारित अनुसंधान एवं शैक्षणिक आदान–प्रदान के तहत वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की विशेषज्ञता व कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को विकसित और कार्यान्वित करना है।

डॉ. अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत किया और इसे कृषि अनुसंधान और संबद्ध विज्ञान के विभिन्न विषयों में शैक्षणिक, अनुसंधान, और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार और साझा उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए मील का पत्थर बताया। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की ओर से निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने शोध एवं कौशल विकास कार्यक्रमों, अनुसंधान और विकास पहलों के माध्यम से पूर्वांचल में पुष्पोद्पादन की उत्पादकता बढ़ाने की योजना भी साझा की।

समझौता करार का स्वागत करते हुए डॉ. जी. एन. सिंह, सलाहकार मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ने कहा कि इस करार से पूर्वांचल के विधार्थी शोध के क्षेत्र में उन्मुख होंगे व किसानो की कृषि आधारित मूल समस्या का निराकरण होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर समझौता समन्वयक, कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, डॉ. शरद श्रीवास्वत और डॉ. मनीष भोयार इस एमओयू हस्ताक्षर समारोह के दौरान उपस्थित रहें।

## मतदाता जागरूकता अभियान : स्लोगन प्रतियोगिता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

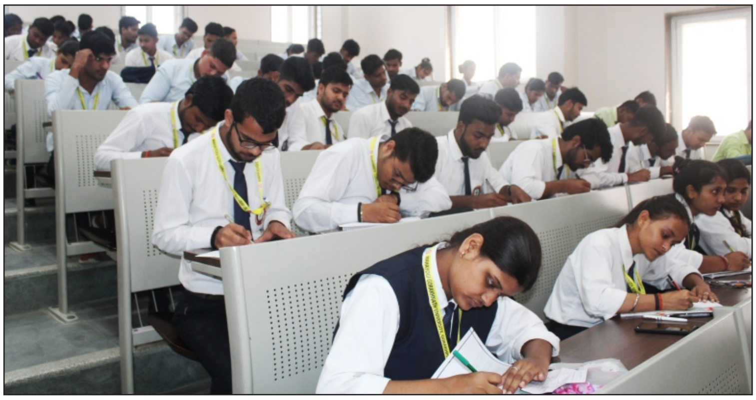

**दिनांक 02 अप्रैल, 2024** को लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवम् भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य 'वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम' और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में

लिखकर मतदाताओं को वोटदेने के लिए प्रेरित किया। स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने वोट फॉर श्योर पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत–प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में वोट के अधिकार पर विविध स्लोगन लिखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में वोट के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व में शत–प्रतिशत मतदाता के लक्ष्य को पूरा किया है। मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर, मतदाता आन लाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला, मेंहदी, सुलेखन, प्रश्नोत्तरी, मानव श्रृंखला, मतदाता जागरुकता रिल्स, सेल्फी पॉइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोडने का प्रयास किया गया।

प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय, श्री अभिनव सिंह राठोर, सुश्री ऐमन, सुश्री कविता साहनी, सुश्री प्रिया सिंह सहित मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने उपस्थित रहें।

## मेंहदी प्रतियोगिता

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मतदाता जागरूकता के द्वितीय चरण के मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

दिनांक 05 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार निर्वाचन आयोग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में मेंहदी प्रतियोगिता में लोकतंत्र के विविध विषय चटक हुए। मेंहदी की लालिमा में चलो मतदान करे और वोट फॉर श्योर को केंद्रित कर छात्र–छात्राओ ने मेंहदी से लोकतंत्र की अभिव्यक्ति को सशक्त करने का संकल्प लिया। मेंहदी के चटक रंगो में लोकतंत्र की लालिमा विविध आकृति और अक्षरों से उतर कर निखर गया।

मेंहदी निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक–एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। चलो मतदान करे, इस बार एक भी मतदाता न छूटे इसके लिए भी हमे संकल्पित होकर जन–जन को जागरूक करना है।

निर्णायक मंडल की श्रीमती जूही तिवारी ने मेंहदी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के त्यौहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। चाय की टेबल से लेकर गांव की चौपाल तक जन जन को मतदान के प्रति जागरूक करना है। मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने जन–जन को मतदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य 'वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम' और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे पर मेंहदी को अलंकृत कर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट मेंहदी का तकनीकी मूल्यांकन कर प्रथम स्थान गरिमा सिंह, दृत्रीय अंकिता, तृतीय स्थान मोहनी चौहान, सांत्वना–श्रुति सोनकरश श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को श्रेष्ठता क्रम मेंचयनित किया गया।

प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय, श्री अभिनव सिंह राठौर, छात्र संघ अध्यक्ष रंजीत शर्मा, मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर, खुशी, सिद्धि सिन्हा, शिवम, राहुल, निकिता, अंकिता आदि ने मतदाताओं को जागरूक किया। आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. एस. के. सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. कुलदीप सिंह, पूजा, प्रवीण कुमार, अभिषेक सिंह, दिलीप मिश्रा, जूही तिवारी, पियूष आनंद, नंदनी जायसवाल जी का सहयोग रहा।

## एमबीबीएस प्रवेश प्रक्रिया

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक 07 अप्रैल, 2024। बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024–25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की पूरी उम्मीद है। विश्ववविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024–25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024–25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024.25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा।

कार्यपरिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 1 अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे।

प्रवेश परीक्षा अलग अलग निर्धारित तिथियों में होगी। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2024–25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया।

बैठक में कार्यपरिषद सदस्य के रूप में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र (वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद), कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. सुमित कुमार एम, प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष उपस्थित रहें।

## अतिथि व्याख्यान

## गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. वेंकटेश जोशी

दिनांक 10 अप्रैल, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद संकाय में एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद अकादमी लंदन यू. के. के निदेशक डॉ. वेंकटेश जोशी ने विद्यार्थियों को आयुष आहार विषय पर संबोधित किया। डॉ. जोशी ने बताया कि भारतीय लोगों के बीच स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष आहार कार्यक्रम द्वारा प्रगतिशील कदम उठाया गया है। आहार हमारे शरीर को पोषण एवं ऊर्जा देता है।हमारा शरीर पंचमहाभूतों से मिल कर बना है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर मे तीन दोष वात पित कफ होते हैं । महाभूतों एवं दोषों के असंतुलन से व्यक्ति व्याधियों से ग्रसित होता है। आयुर्वेदिक आहार एक खाने का पैटर्न है जो आपके विशिष्ट दोष या शरीर के प्रकार के लिए दिशानिर्देशों का पालन करके आपके शरीर के भीतर संतुलन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। आयुष आहार हजारों वर्षों से चला आ रहा है। कई अन्य आहारों के विपरीत, आयुष आहार आपके शरीर के प्रकार के आधार पर व्यक्तिगत रूप से निर्धारित किया जाता है कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और कौन से खाने से बचना चाहिए।

आयुष आहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल आपके शरीर के लिए बल्कि आपके दिमाग के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। हाल ही में आयुष मंत्रालय ने आयुष भवन (दिल्ली) में अपनी कैंटीन में 'आयुष आहार' उपलब्ध कराकर एक नई शुरुआत की। आप लोगों आयुर्वेद के चिकित्सक हैं इसलिए आप सभी को इसको समझना चाहिए और आम व्यक्ति को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम में संहिता विभाग के आचार्य डॉ. शांतिभूषण ने अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आयुर्वेद कॉलेज के आचार्य डॉ. नवीन ने अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम मे द्रव्यगुण की सह आचार्य डॉ. यास्मीन एवं संहिता विभाग की सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेद द्वितीय व्यावसायिक सत्र के छात्र आशीष चौधरी ने किया।

## रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली बनाती हुई छात्राएं

दिनांक 10 अप्रैल, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन आयुर्वेद कॉलेज के प्रार्थना सभागार में हुआ। मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में रंगोली प्रतियोगिता में रंग अबीर गुलाल से लोकतंत्र की अद्भुत आकृति ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया। चलो मतदान करे और वोट फॉर श्योर और स्वच्छता अभियान पर केंद्रित रंगोली प्रतियोगिता में सभी विभागों से दो दर्जन से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

एक ग्रुप में 4 प्रतिभागियों ने मिलकर भव्य रंगोली में लोकतंत्र की अभिव्यक्ति को सशक्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक सहायक आचार्य डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। चलो मतदान करे, इस बार एक भी मतदाता न छूटे इसके लिए भी हमें संकल्पित होकर जन जन को जागरूक करना है।

निर्णायक मंडल की कृषि संकाय विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सासेती प्रेमकुमारी ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के त्यौहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है।

मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयोजित रंगोली प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य 'वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम' और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे पर रंगोली अलंकृत कर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ठ रंगोली का तकनीकी मूल्यांकन कर पैरा मेडिकल विभाग की भूमिका, साहिदा, कुशावती और पूजा को 'श्रेष्ठ रंगोली के रूप में चयन किया।

प्रथम स्थान फार्मास्यूटिकल विभाग के ज्योति, सिद्धि, शिवांगी, जसवीर, द्वितीय स्थान कृषि विभाग के खुशी, पूजा, सागर, अभिषेक तृतीय स्थान फार्मास्यूटिकल के प्रमोद, पिंटू, कुलदीप और विकास, सांत्वना पुरस्कार सीता, निधि, अर्चना, निशा को श्रेष्ठता क्रम में चयनित किया गया।

प्रतियोगिता में छात्र संघ अध्यक्ष रंजीत शर्मा, मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय निलेश कुमार यादव निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह सागर जायसवाल खुशी गुप्ता सिद्धि सिन्हा शिवम सिंह राहुल वर्मा निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने युवा मतदाताओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव, श्री धनन्जय पाण्डेय, पूजा जायसवाल, नंदनी जायसवाल उपस्थित रहीं।

## समझौता ज्ञापन



दिनांक 11 अप्रैल, 2024। भारत व नेपाल के बीच समग्र शैक्षिक.सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर तथा नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय ने एक साझा पहल की है। गुरुवार को दोनों विश्वविद्यालयों के बीच इसे लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) हुआ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी और नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुबर्ण लाल बज्राचार्य ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर इसका आदान–प्रदान किया।

एमओयू के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के साथ ही शोध और नवाचार की दिशा में मिलकर काम करेंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण् सुबर्ण लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंध मानव सभ्यता और संस्कृति के इतिहास जितने ही प्राचीन हैं। दोनों देशों की साझी सांस्कृतिक विरासत है और इसे आपसी शैक्षिक कार्यक्रमों से संरक्षित और संवर्धित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ और महात्मा बुद्ध भारत–नेपाल के आपसी रिश्ते की मजबूत कड़ी हैं। महायोगी गुरु गोरखनाथ आज भी नेपाल की जनता की आस्था के केंद्र बिंदु हैं। जबकि महात्मा बुद्ध का दर्शन नेपाल के रग–रग में समाया हुआ है। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रतिष्ठत करने के उद्देश्य से किया गया कार्य दोनो देशों के रिश्ते को और प्रगाढ़ करेगा।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने अपने

नेपाली समकक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि यह दो विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू तो है ही दो देशों की साझा सांस्कृतिक को एक साथ मिलकर बचाने, बढ़ाने और जीने का अभियान है।

उन्होंने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कार्य करेंगे ही साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों की डोर मजबूत किए रहने के प्रति भी अपनी महती भूमिका निभाएंगे। तकनीकी, नवाचार और नए उभरते क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं सहभाग का आदर्श मानक स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि आज दोनो देशों के मध्य शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साझी संस्कृति का भी मिलन हो रहा है।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने शैक्षणिक गतिविधियों को अंतराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से यह एमओयू किया है। आपसी समन्वय से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय व लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल शिक्षा, स्वास्थ और संस्कृति के क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगे।

लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता मानविकी व समाजिक विज्ञान डॉ. हरि शरण छाकुन ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) से बौद्ध दर्शन, साहित्य, शिक्षा, इतिहास, पुरातत्व और संस्कृति के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए दोनो विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित होंगे।

एमओयू के आदान–प्रदान के मौके पर लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता मानविकी व समाजिक विज्ञान डॉ. हरि शरण छाकुन, निदेशक अंतराष्ट्रीय संबंध डॉ. कुमार खड़का, सिटी कैंपस बेलवास के बद्री प्रसाद गौतम, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे, प्राचार्य महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज डॉ. रोहित श्रीवास्तव, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की उप प्राचार्य श्रीमती प्रिंशी जार्ज आदि की उपस्थिति रहीं।

समझौता ज्ञापन में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रो. सुबर्ण लाल बज्राचार्य व अन्य

## जागरूकता अभियान

## गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग

पर्यावरण स्वच्छता पर जागरूक करतीं हुई छात्राएं

**दिनांक 12 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की जीएनएम 3वर्ष की 19 छात्राओं द्वारा सामुदायिक केंद्र नारायणपुर, गोरखपुर में पर्यावरण स्वच्छता पर एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में पर्यावरण स्वच्छता से संबंधित जानकारियां प्राप्त कराई गई। जिसमें स्वच्छता के फायदे के बारे में बताया गया, जिससे भविष्य में होने वाली बीमारी से खुद को बचाया जा सकता है । जिसका मुख्य उद्देश्य लोगो को पर्यावरण स्वच्छता के बारे में जागरूक करना था। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियो को स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी गई ए और ग्रामवासियों को पर्यावरण स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया।

## मतदाता जागरूकता अभियान

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मतदाता जागरूकता अभियान में सम्बोधित करता विद्यार्थी

दिनांक 15 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में भाषण प्रतियोगिता में लोकतंत्र में मतदान का महत्व और आओ मिलकर हम सब मतदान करे विषय पर युवा मतदाताओं ने अपने भावों से लोकतंत्र की अभिव्यक्ति को सशक्त किया। प्रतियोगिता में 2 दर्जन से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर वोट की शक्ति और मतदाता के अधिकारों पर विचार रखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भाषण प्रतियोगिता में युवा मतदाताओ को जागरूक करते हुए कहा की लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता उत्साहित है। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मतदाता प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। विद्यार्थी स्वयं तो जागरूक है साथ ही अपने आसपास के वोटर्स को भी मतदान के लिए संकल्पित कर रहे हैं।

निर्णायक सहायक आचार्य डॉ. अवैधनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक–एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। चलो मतदान करे, इस बार एक भी मतदाता न छूटे इसके लिए भी हमे संकल्पित होकर जन–जन को जागरूक करना है।

निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. किरण कुमार ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। 18 वीं लोकसभा चुनाव में वोटिंग के प्रतिशत ग्राफ को शत–प्रतिशत करने का प्रयास हम सभी को मिलजुल कर करना होगा। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 40 प्रतिशत यूवा मतदाता पंजीकृत हुए है। इस प्रतिशत आंकड़े को शत–प्रतिशत करने के लिए अभी भी निर्वाचक आयोग प्रयास कर रहा है अभी भी ऑनलाइन पोर्टल चल रहे हैं जो भी मतदाता वोटर्स सूची में नहीं है वे फॉर्म 6 भरकर वोटर्स बन सकते है।

छात्रा अंशिका सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में जातिवाद और प्रलोभन से दूर रहकर अपने स्वतरू विवेक से अपने मत का उपयोग करे। एक वोट से हमारी सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय सीमा, चिकित्सा और सम्मान से जीने का हक मिलता है। आप के एक वोट से सशक्त सरकार और सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की अर्चना कुमारी ने कहा लोकतंत्र के उत्सव में हम सभी को एक एक वोट से सविधान का सम्मान करना है। वोट हमारा मौलिक अधिकार है उसके लिए हमे सजग और सतर्क रहना है ।

कृषि संकाय के छात्र अनुभव ने कहा कि लोकतंत्र के पावन युग में हम राष्ट्र निर्माण न भूले और स्वार्थ साधना की आंधी में वसुधा का कल्याण न भूले फार्मास्यूटिकल से आशीष दूबे, सूरज यादव, निखिल प्रकाश पांडेय, उज्ज्वल पाठक, अमन यादव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से अंशिका सिंह, अर्चना कुमारी, नम्रता शर्मा, अनुभव, उज्ज्वल पाठक, सूरज यादव, आशीष दूबे, अमन यादव, उत्कर्ष सिंह, निखिल प्रकाश, अभिषेक ओझा ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संचालन मतदाता योद्धा खुशी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान–उत्कर्ष सिंह, द्वितीय–आशीष दूबे, तृतीय–अंशिका सिंह, सांत्वना–नम्रता शर्मा, सूरज यादव, अमन यादव को चयनित किया ।

प्रतियोगिता में मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने युवा मतदाताओं को जागरूक किया।

## मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग

## गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग के दौरान शिक्षिकाएं

दिनांक 13 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें लखनऊ में मेंटर ट्रेनिंग में शामिल हुए सदस्यों ने विषयों पर प्रस्तुति दी। जिस पर प्रशिक्षण के दौरान चर्चा की गई। श्रीमती जेनी और सुश्री निधि ने सभी नए शामिल संकायों को मिशन निरामय के तहत प्रगति प्रशिक्षण के लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ सत्र की शुरुआत की। सुरियन ने शिक्षण अर्जन प्रक्रिया की विस्तृत चर्चा जारी रखी। उस सौदे में शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएं कक्षा में छात्रों को पढ़ाने के लिए प्रभावी प्रस्तुति की तैयारी, नैदानिक क्षेत्र और कौशल सिमुलेशन लैब के बारे में बताया गया। सभी संकायों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार साझा किये। पूरी चर्चा काफी उपयोगी रही और यह एक इंटरैक्टिव सत्र था।

दिनांक 13 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर पूर्वांचल की पहली ऐसी संस्था है जो माइक्रोबॉयोलॉजी और बॉयो केमेस्ट्री के क्षेत्र में नए नवाचार कर जॉब का सृजन कर रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रवेश समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा संचालित किए जा रहे जॉब ओरियेंटेट, प्रोफेशनल कोर्स जैसे बीएससी बायो केमेस्ट्री, बीएससी और एमएससी मेडिकल बायो केमेस्ट्री और बीएससी एवं एमएससी मेडिकल माइक्रो बायोलॉजी तथा बीएससी एवं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स से शत–प्रतिशत जॉब के अनंत संभावनाओं के साथ संचालित किया जा रहा है। इन कोर्सेस को पूरा करने वाले विद्यार्थियो की मांग विश्व व्यापी स्तर पर है। जिससे बायो टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री, फार्मास्यूटिकल कंपनी, बायोफार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री, फूड इंडस्ट्री में प्रोफेशनल की काफी मांग है। इन कोर्सेस को पूरा करने के बाद विद्यार्थी बायोकॉन, लूपिन, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी, भारत बायोटेक जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों में अपार संभावनाएं हैं। जिसके लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर सभी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ विद्यार्थियो के शत–प्रतिशत जॉब के लिए निरंतर संपर्क में है। साथ ही एमएससी पास करने वाले सभी विद्यार्थियों को छः माह के प्रोजेक्ट के माध्यम से आरएमआरसी, आईसीएमआर गोरखपुर में छात्र–छात्राएं चयनित हुए है। साथ ही दर्जनों छात्र इंडियन ग्लाईकोल लिमिटेड गोरखपुर में विभिन्न पदों पर चयनित होकर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन कर रहे है। इन कोर्सेस को करने के बाद विद्यार्थी सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन, पर्यावरण संगठन, पेट्रोलियम उद्योग, दवाइयों, जल और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएँ, सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल, सार्वजनिक वित्तपोषित, अनुसंधान संगठन और उच्च शिक्षा संस्थान, पर्यावरण संगठन, खाद्य एवं पेय उद्योग में स्वयं को प्रतिष्ठित कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर में संचालित सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विविध विषयों में ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया चल रहा है।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रवेश समिति के समनवयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित विविध विषयों की जानकारी देते हुए प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल में पहली बार भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम को प्रमुखता से विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया है। तीन वर्षीय कोर्स में एक वर्ष इंडस्ट्री संबद्ध अप्रेंटिसशिप कराया जायेगा। जिससे विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र के साथ ही व्यवसायिक प्रशिक्षण ग्रहण कर शत–प्रतिशत नौकरी से सृजन की ओर उन्मुख होंगे। जहां अप्रैल माह से प्रवेश संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया जायेगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स, शोध) बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी के साथ एमएससी में बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी के कोर्स संचालित किया जा रहा है। सभी विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा।

विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट https://mgug.ac.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है। या admissions @mgug.ac.in पर भी जानकारी ले सकते है। साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9559991801 पर भी कार्यदिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

## बी.ए.एम.एस. प्रथम छमाही परीक्षा

## गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

परीक्षा में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांक 15 अप्रैल, 2024 को विश्वविद्यालय के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद संकाय में बी.ए. एम. एस. प्रथम व्यावसायिक सत्र 2023–24 (वागभट बैच) की प्रथम छमाही परीक्षा (टर्म टेस्ट–1) प्रारंभ हुई।

परीक्षा केंद्र अधीक्षक डॉ. प्रिया एस. आर. नैयर ने बताया ये परीक्षा 20.04.2023 तक चलेगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री अमित कुमार सिंह ने कहा परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं अनुशासन के साथ संपन्न कराई जा रही है।

परीक्षा का समय प्रातः10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक है। विश्वविद्यालय से सील बंद पेपर ठीक परीक्षा शुरू होने के 2 मिनट पहले आता है एवं परीक्षा कक्ष निरीक्षक के सामने खोल कर विद्यार्थियों को वितरित किया जाता है।

एन.सी.आई.एस. एम के मानक के अनुसार टर्म टेस्ट मे प्रत्येक पेपर 100 अंक का होता है, जिसमें 20 बहुविकल्पीय प्रश्न 1 अंक के 8 लघुउत्तरीय प्रश्न प्रत्येक 5 अंक एवं 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक 10 अंक का होता है।

## स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

## गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 15 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में अध्ययनरत जीएनएम तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा नारायणपुर गांव में स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के बीमारी एवं बचाव के बारे में छात्रों द्वारा फुट, महावर स्वच्छता लोगों को शिक्षा दिया और साथ में ही संतुलित आहार के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा दी गई एवं उसके लाभ से भी अवगत कराया गया।

स्वास्थ्य शिक्षा का कार्यक्रम का समापन सुश्री सोसन दानएवं श्रीमती संगीता जी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व गुरु श्री गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करतीं हुई नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

## अतिथि व्याख्यान

## सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं हुई डॉ. स्मृति मल्ल

दिनांक 19 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. स्मृति मल्ल, समन्वयक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग एवं सहायक आचार्य वनस्पति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. राजेन्द्र भारती एवं संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्य वक्ता डॉ. स्मृति मल्ल ने बताया कि फाइटोप्लाज्मा दुनिया भर में कई सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण बनता है। घास, जड़ी. बूटियों और झाड़ियों से लेकर उच्च पौधों तक फाइटोप्लाज्मा रोगग्रस्त पौधे में अपने अलग–अलग विशिष्ट लक्षणों के लिए जाना जाता है, आज हमारे जो औषधि पौधे हैं जैसे पीपर पपीता, धतूरा इत्यादि पौधे को नष्ट कर रहा है जिसके संरक्षण की

आवश्यकता है एवं बैक्टीरिया की पहचान करने में कौन सी तकनीकी प्रयोग करते है, जिससे उसके रोकथाम पर कार्य किया जा सके एवं विद्यार्थी किस प्रकार से माइक्रोबायोलॉजी विषय में अपना भविष्य बना सकते हैं इसके बारे में भी जानकरी दी।

प्रो. सुनील सिंह ने बताया कि आज के व्याख्यान में जिस तकनीकी को बताया गया जैसे PCR, BLAST, RFL इत्यादि की जानकारी आप सभी के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है इस तकनीकी को विभाग के हर विद्यार्थी को जानना जरूरी है अंत में सभी को धन्यवाद देकर विभाग को आगे इस तरह का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में श्रीमती प्रज्ञा पांडेय, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं विभाग के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री सृष्टि यदुवंशी ने किया।

## विश्व मलेरिया दिवस : व्याख्यान

संब) स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुई श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय

**दिनांक 25 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रो बायोलॉजी विभाग में विश्व मलेरिया दिवस पर एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की शिक्षिका श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय ने छात्रो को बताया कि मलेरिया वास्तव में दुनिया की सबसे घातक परजीवी बीमारियों में से एक है, जिसके कारण 2017 में वैश्विक स्तर पर 21.9 करोड़ से अधिक मामले और 4.35 लाख मौतें हुई। मलेरिया से हर साल 200 करोड़ लोगों को ख़तरा होता है, जिनमें 90 स्थानिक देशों के निवासी और 12.5 करोड़ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल हैं यदि उपचार में देरी होती है तो गंभीर जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं जैसे कई मलेरिया एनीमिया, सेरेब्रल मलेरिया, कोमा या मृत्यु हो जाती है। इस गिनती पर अंकुश लगाने के लिए बिमारी और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिस कारण विश्व मलेरिया दिवस मनाये जाने कि शुरुआत वर्ष 2000 से प्रारंभ की गयी। उस समय अफ़्रीकी देश में विश्व अफ्रीका मलेरिया दिवस के नाम से मनाया जाता था जिसे वर्ष 2008 से विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इस दिवस का मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य विश्व के हर व्यक्ति को इस जानलेवा रोग के प्रति जागरूक करना, इसके रोकथाम करना, वेक्सीन इत्यादि कि खोज कर विश्व को मलेरिया से मुक्त करना है। इस दिन को मनाने के लिए हर वर्ष एक नई थीम रखी जाती है इस वर्ष की थीम 'मलेरिया के खिलाफ जारी लडाई में तेजी लाना है एवं पिछले वर्ष में राखी जाने वाली थीम के बारे में भी बताया गया जिसमें वर्ष 2020 में राखी गयी थीम malaria starts with me पर विशेष जोर दिया गया एवं सुश्री सृष्टि यदुवंशी ने कहा कि मलेरिया एक प्रोटोज़ोआ संक्रमण है जो संक्रमित मादा (एनोफिलीज) मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छरों को नियंत्रित करें, मच्छर के काटने से बचें, निवारक दवाएं लें, कूड़ा या गंदगी पड़ी जगहों पर न जाएं, मानसून या गर्मी में खुद को अच्छी तरह से खुद को हाइड्रेट रखें, लंबे स्लीव्स वाले शर्ट और पैंट पहनें, घर के आसपास पानी स्थिर न होने दें इत्यादि बचाव से मलेरिया से बच सकते है। फाल्सीपेरम मलेरिया के अन्य लक्षणों में दस्त, पीलिया तीव्र ज्वर और किडनी की विफलता शामिल हैं।

रक्त में सूगर (ग्लूकोज़द्ध का भी स्तर गिर सकता है।जिसे हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है। कार्यक्रम में विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समझौता ज्ञापन के दौरान प्रो. एन.एस. हरिनारायण मूर्थि, माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई एवं माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव

**दिनांक 27 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) ने अनुसंधान एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश (आईजीएनटीयू) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर एमजीयूजी के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और अमरकंटक स्थित (आईजीएनटीयू) के कुलसचिव प्रोफेसर एन.एस. हरिनारायण मूर्थि ने किया। इस समझौते के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी आधारित अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान–प्रदान के तहत वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने व कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को विकसित और कार्यान्वित करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत किया और इसे फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार और साझा उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए मील का पत्थर बताया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी ने समझौते का स्वागत करते हुए लक्षित उद्देश्यों के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौते से दोनो संस्थाएं उज्जवल एवं श्रेष्ठ भारत के परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए नवाचार व अविष्कार के क्षेत्र में अपना अमुल्य योगदान देंगे।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के समय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर समझौता समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकान्त, अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ विभाग प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्राचार्य आयुर्वेद डॉ. मंजूनाथ एन. एस., प्राचार्य फार्मेसी डॉ. शशिकान्त, प्राचार्य पैरामेडिकल रोहित कुमार श्रीवास्तव व उपप्राचार्य नर्सिंग श्रीमति प्रिन्सी जॉर्ज आदि की उपस्थिति रहीं।

**दिनांक 29 अप्रैल, 2024** | पूर्वांचल की प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर विविध विषयों में प्रवेश की लोकप्रियता को देखते हुए ऑनलाइन विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश के आवेदन की तिथि 15 मई 2024 तक प्रवेश समिति द्वारा बढ़ाया जा रहा है। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्यवयक प्रो.सुनील कुमार सिंह ने दिया।

प्रो. सिंह ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड के विलंबित रिजल्ट्स से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में प्रवेश लेने के इच्छुक अभिर्थियों लगातार प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे है जिससे छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति ने प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 15 मई करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा की तिथि से कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रों. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर पूर्वांचल की पहली ऐसी संस्था है जो माइक्रोबॉयोलॉजी और बॉयो केमेस्ट्री के क्षेत्र में नए नवाचार कर जॉब का सृजन कर रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा संचालित किए जा रहे जॉब ओरियेंटेट, प्रोफेशनल कोर्स जैसे बीएससी बॉयो केमेस्ट्रीए बीएससी और एमएससी मेडिकल बॉयो केमेस्ट्री और बीएससी एवं एमएससी मेडिकल माइक्रो बॉयोलॉजी तथा बीएससी एवं एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी कोर्स से शत–प्रतिशत जॉब के अनंत संभावनाओं के साथ संचालित किया जा रहा है। इन कोर्सेस को पूरा करने वाले विद्यार्थियों की मांग विश्व व्यापी स्तर पर है। जिससे बॉयो टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री, फार्माक्यूटिकल कंपनी, बॉयोफार्माक्यूटिकल इंडस्ट्री, फूड इंडस्ट्री में प्रोफेशनल की काफी मांग है।

इन कोर्सेस को पूरा करने के बाद विद्यार्थी बॉयोकॉन, लूपिन, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी, भारत बॉयोटेक जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों में अपार संभावनाएं हैं। जिसके लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर सभी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ विद्यार्थियों के शत–प्रतिशत जॉब के लिए निरंतर संपर्क में है। साथ ही एमएससी पास करने वाले सभी विद्यार्थियों को छः माह के प्रोजेक्ट के माध्यम से आरएमआरसी, आईसीएमआर गोरखपुर में छात्र–छात्राएं चयनित हुए है। साथ ही दर्जनों छात्र इंडियन ग्लाईकोल लिमिटेड गोरखपुर में विभिन्न पदों पर चयनित होकर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन कर रहे है। इन कोर्सेस को करने के बाद विद्यार्थी सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन, पर्यावरण संगठन, पेट्रोलियम उद्योग, दवाइयों, जल और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल, सार्वजनिक वित्तपोषित, अनुसंधान संगठन और उच्च शिक्षा संस्थान, पर्यावरण संगठन, खाद्य एवं पेय उद्योग में स्वयं को प्रतिष्ठित कर सकते हैं।

प्रो.सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल में पहली बार भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम को प्रमुखता से विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया है। तीन वर्षीय कोर्स में एक वर्ष इंडस्ट्री संबद्ध अप्रेंटिसशिप कराया जायेगा। जिससे विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र के साथ ही व्यवसायिक प्रशिक्षण ग्रहण कर शत–प्रतिशत नौकरी से सृजन की ओर उन्मुख होंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स, शोध) बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी के साथ एमएससी में बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी,बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी के कोर्स संचालित किया जा रहा है। सभी विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा। विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय केवेबसाइट https://mgug.ac.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है। या admissions@mgug.ac.in पर भी जानकारी ले सकते है । साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9559991801 पर भी कार्यदिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

## अतिथि व्याख्यान — फैकेल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज,

आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित अतिथि व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुई श्रीमती शीलम वाजपेई व डॉ. शशिकांत सिंह

दिनांक 30 अप्रैल, 2024 को फैकेल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में बी. फार्मा और डी. फार्मा के छात्रों के बीच समाधान अभियान की निदेशक श्रीमती शीलम बाजपेई जी द्वारा 'चुप्पी तोड़—हल्ला बोल' यौन शोषण से बचाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि और समाधान अभियान की निदेशक श्रीमती शीलम बाजपेई जी ने बच्चों को यौन शोषण से बचने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने, बच्चों को अपने शरीर के साथ संवेदनशीलता और असुरक्षित स्थितियों में सुरक्षित रहने पर विस्तार से जानकारी को साझा किया। साथ ही शिक्षकों—अभिभावकों और समाज के सभी सदस्यों को इस मुद्दे पर जागरूक करना और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण उद्देश्य था। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में ध्यानपूर्वक एवं अनुशासित होकर भाग लिया तथा विद्यार्थियों को बहुत ही ज्ञानवर्धक बातें जानने को मिली।

श्रीमती शीलम बाजपेई द्वारा विद्यार्थियों को इन सभी बातों को आत्मसात करने की शपथ दिलाई गई। कार्यशाला का कुशल संचालन डॉक्टर शशिकांत सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन श्री गौरीश नारायण सिंह जी ने दिया।

## अप्रैल माह के प्रमुख आयोजन

### राष्ट्रीय कैडेट कोर

| | |
|---|---|
| 23 अप्रैल से 2 मई 2024 | राष्ट्रीय कैडेट कोर वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर (सामेकित माध्यमिक विद्यालय, महाराजगंज) |

### राष्ट्रीय सेवा योजना

| | |
|---|---|
| 09 अप्रैल 2024 | एक दिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) |

## अप्रैल माह की मुख्य बैठकें

| | |
|---|---|
| 07 अप्रैल 2024 | कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद की 10वीं बैठक सम्पन्न हुई। |
| 08 अप्रैल 2024 | कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई अध्यक्षता में प्रशासनिक कार्यालय के तृतीय श्रेणी के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 09 अप्रैल 2024 | कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई अध्यक्षता में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 12 अप्रैल 2024 | विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें छात्रावास में को स्वच्छ बनाए रखने, मेस में स्वास्थ्यवर्धक भोजन बनाने व मीनू में बदलाव के निर्देश दिए गए। |
| 15, 16 अप्रैल 2024 | माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी की अध्यक्षता में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 22 अप्रैल 2024 | माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सिस्टम एडमिनिस्टेटर पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 22 अप्रैल 2024 | विद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संयुक्त प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित पम्पलेट, आवेदन फार्म की सूचनाएं, प्रश्नपत्र के प्रारूप, पाठ्यक्रमों के प्रसार–प्रसार एवं वेबसाइट को लगातार अपडेट रखने के निर्देश दिए। |
| 26 अप्रैल 2024 | छात्रावास की सह अधीक्षिका, श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें बेसमेंट में बन रहे मेस की वायरिंग हो रही है और शीशे के कार्य 10 दिन पूर्ण करने, छात्राओं द्वारा परिसर में टहलने हेतु रात्रि 9 बजे तक अनुमति का अनुरोध एवं छात्रावासी छात्राओं द्वारा वाई–फाई की सुविधा का अनुरोध किया गया जिसे अगली बैठक में कुलसचिव महोदय के समक्ष प्रस्तुत किए जाना सुनिश्चित किया गया। |
| 23 अप्रैल 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |

# मई, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

## विश्वविद्यालय

| | |
|---|---|
| 19 मई, 2024<br>21 मई, 2024<br>28 मई, 2024 | विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में सत्र 2024–25 में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाएं |
| 31 मई, 2024 | प्रवेश परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित किया जाना प्रस्तावित है। |

## विभागीय आयोजन

### गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

| | |
|---|---|
| 20 मई, 2024 | पीए–4 (सुश्रुत सत्र–2022–23) |
| 20 मई, 2024 | पीए–4 (चरक सत्र–2022–23) |

### सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

| | |
|---|---|
| 16–30 मई, 2024 | वाह्य प्रायोगिक परीक्षा |
| 02 मई, 2024 | अतिथि व्याख्यान |

### कृषि संकाय

| | |
|---|---|
| 08 मई, 2024 | द्वितीय आंतरिक परीक्षा |
| 10 मई, 2024 | प्रायोगात्मक परीक्षा |

### महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

| | |
|---|---|
| 11 मई, 2024 | उन्नति फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रथम बैच का समापन समारोह |
| 18 मई, 2024 | अतिथि व्याख्यान |

### फॉर्मेसी संकाय

| | |
|---|---|
| 13 मई, 2024 | अतिथि व्याख्यान (डॉ. जी.एस. तोमर द्वारा) |
| 29 से 31 मई, 2024 | आन्तरिक परीक्षा |

### गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

| | |
|---|---|
| 08 मई, 2024 | स्टुडेंट्स नर्सेस डे |
| 04 मई, 2024 | एनईएसई मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग |

# समाचार दर्पण

## आनलाइन आवेदन के द्वितीय दिन आवेदकों में दिखा उत्साह

**गोरखपुर (एसएनबी)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में मंगलवार को 625 आवेदकों ने आवेदन किया।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में संचालित सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आनलाइन आवेदन के द्वितीय दिन आवेदकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। द्वितीय दिन 625 आवेदकों ने विविध विषयों में आनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की। प्रवेश के तकनीकी प्रक्रिया पर प्रवेश समिति पूरी सतर्कता एवम सावधानी बरतने का प्रयास कर रहा है। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विवविद्यालय के प्रवेश समिति के समनव्यक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी।

■ गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम में संचालित सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश शुरू

उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में फैकल्टी आफ कामर्स को लाजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम को प्रमुखता से छात्रों के लिए प्रारंभ किया गया है। तीन वर्षीय कोर्स में एक वर्ष इंडस्ट्री संबद्ध अप्रेंटिसशिप कराया जायेगा।

## मेहंदी के चटख रंगों में उभरे लोकतंत्र के विविध रूप

**जागरूकता**

गोरखपुर,वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके जरिये मेहंदी के चटक रंगों में लोकतंत्र के विविध रूप नजर आए।

मतदाता जागरूकता के लिए गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता हुई।

मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। निर्णायक मंडल की जूही तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्योहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। चाय की टेबल से लेकर गांव की चौपाल तक जन-जन को मतदान के प्रति जागरूक करना है।

निर्णायक मंडल ने उत्कृष्टता के आधार पर मूल्यांकन कर प्रथम स्थान पर गरिमा सिंह, द्वितीय स्थान पर अंकिता, तृतीय स्थान पर मोहिनी चौहान तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को चयनित किया। प्रतियोगिता डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में हुई। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पाण्डेय, अभिनव सिंह, छात्र संसद के अध्यक्ष रंजीत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

## मेहंदी के रंग से चटख हुआ लोकतंत्र का रंग

**जासं, गोरखपुर :** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में मेहंदी के रंग के जरिये लोकतंत्र का रंग चटख होता दिखा।

मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल सहायक आचार्य डा. अनुपमा ओझा ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। निर्णायक मंडल की जूही तिवारी ने कहा कि युवा मतदाता के रूप में विद्यार्थियों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। मूल्यांकन में गरिमा सिंह को पहला, अंकिता को दूसरा और मोहिनी चौहान को तीसरा स्थान मिला।

मेहंदी रचाती महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राएं • सौ.गोवि

श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह और अंशिका सिंह सांत्वना पुरस्कार के लिए चुनी गईं। इस दौरान मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के नोडल अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. बिमल दुबे, डा. कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

**महायोगी गोरखनाथ विवि**

## जल्द शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स

**गोरखपुर (एसएनबी)।** बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024-25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस पाठक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है।

■ विवि कार्यपरिषद की बैठक में एमबीबीएस और बीबीए लाजिस्टिक पाठक्रम को हरी झंडी

■ कार्यपरिषद की बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट पारित

महायोगी गोरखनाथ विवि की कार्य परिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लाजिस्टिक पाठक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024-25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा। कार्य परिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठक्रमों में 1 अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन 30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग निर्धारित तिथियों में होगी। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया। बैठक में कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र (वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद), कैंसर रोग विशेषज्ञ डा.सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पाण्डेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवविद्यालय की आचार्य डा. शोभा गौड़, प्रो. सुनील कुमार, डा. राजेंद्र भारती, डा. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, डा. सुमित कुमार एम, प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष आदि उपस्थित रहे।

## मेंहदी के चटक रंगो में उतरे लोकतंत्र के विविध रूप

**गोरखपुर (एसएनबी)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मेंहदी के चटक रंगों में लोकतंत्र के विविध रूप नजर आए।

■ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

निर्णायक मंडल ने उत्कृष्टता के आधार पर मूल्यांकन कर प्रथम स्थान पर गरिमा सिंह, द्वितीय स्थान पर अंकिता, तृतीय स्थान पर मोहिनी चौहान तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को चयनित किया। मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में हुई इस प्रतियोगिता में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. विमल दूबे, डा. कुलदीप सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास यादव, धनंजय पाण्डेय, अभिनव सिंह, छात्र संसद के अध्यक्ष रंजीत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

## महायोगी गोरखनाथ विवि में शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स

गोरखपुर,७ अप्रैल। बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024.25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की पुरी उम्मीद है। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024.25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024–25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024–25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा। कार्यपरिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग,फर्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजीए पीजीए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 1 अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा अलग अलग निर्धारित तिथियों में होगी। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2024–25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया।

◆ विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में एमबीबीएस और बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को हरी झंडी ◆बीएएमएसए नर्सिंग और फर्मेसी में जारी है प्रवेश प्रक्रिया, 30 अप्रैल तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

बैठक में कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र ;वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ.सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ.शोभा गौड़,महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार,मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, ... सिंह, सहाय...

# आयुष आहार में है पौष्टिक गुणों की दिव्यता : डॉ. वेंकटेश जोशी

भास्कर ब्यूरो

**• गोरखनाथ विवि में आयुष आहार विषय पर हुआ व्याख्यान**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) में बुधवार को आयुष आहार विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। इस अवसर परमुख्य वक्ता के रूप में मौजूद एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद एकेडमी, लंदन (यूके) के निदेशक डॉ. वेंकटेश जोशी ने कहा कि आयुष आहार में पौष्टिक गुणों की दिव्यता है।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारतीय लोगों के बीच स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष आहार कार्यक्रम के माध्यम से प्रगतिशील कदम उठाया गया है। आहार हमारे शरीर को पोषण एवं ऊर्जा देता है। हमारा शरीर पंचमहाभूतों से मिल कर बना है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर मे तीन दोष वात, पित्त व कफ होते हैं। महाभूतों एवं दोषों के असंतुलन से व्यक्ति व्याधियों से ग्रसित होता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक आहार खाने का एक पैटर्न है जो आपके विशिष्ट दोष या शरीर के प्रकार के लिए दिशानिर्देशों का पालन करके आपके शरीर के भीतर संतुलन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।आयुष आहार हजारों वर्षों से चला आ रहा है। कई अन्य आहारों के विपरीत,आयुष आहार आपके शरीर के प्रकार के आधार पर व्यक्तिगत रूप से निर्धारित किया जाता है कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और कौन से खाने से बचना चाहिए।

डॉ. जोशी ने कहा कि आयुष आहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल आपके शरीर के लिए बल्कि आपके दिमाग के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। हाल ही में आयुष मंत्रालय ने आयुष भवन (दिल्ली) में अपनी कैंटीन में 'आयुष आहार' उपलब्ध कराकर एक नई शुरुआत की। कार्यक्रम में संहिता विभाग के आचार्य डॉ शांतिभूषण ने डॉ. जोशी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि और लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच हुआ करार

# नेपाल के साथ सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंध होंगे मजबूत

**समझौता**

- शोध और नवाचार के लिए मिलकर काम करेंगे दोनों विश्वविद्यालय
- साझी विरासत के संरक्षण-संवर्धन का अभियान है एमओयू : डॉ. अतुल

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और प्रो. सुवर्ण लाल बज्राचार्य ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर इसका आदान-प्रदान किया। कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव भी मौजूद थे।

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। भारत और नेपाल के बीच समग्र शैक्षणिक -सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय ने साझा पहल की है। गुरुवार को दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) हुआ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुबर्ण लाल बज्राचार्य ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर इसका आदान-प्रदान किया।

एमओयू के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के साथ ही शोध और नवाचार की दिशा में मिलकर काम करेंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुबर्ण लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंध मानव सभ्यता और संस्कृति के इतिहास जितने ही प्राचीन हैं। दोनों देशों की साझी सांस्कृतिक विरासत है और इसे आपसी शैक्षणिक कार्यक्रमों से संरक्षित और संवर्धित किया जा सकता है। कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ और महात्मा बुद्ध भारत-नेपाल के आपसी रिश्ते की मजबूत कड़ी हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रतिष्ठत करने के उद्देश्य से किया गया कार्य दोनो देशों के रिश्ते को और प्रगाढ़ करेगा।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह दो विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू तो है ही, दो देशों की साझा सांस्कृतिक को एक साथ मिलकर बचाने, बढ़ाने और जीने का अभियान है। उन्होंने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर कार्य करेंगे । कहा कि आज दोनो देशों के मध्य शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साझी संस्कृति का भी मिलन हो रहा है।

**आपसी समन्वय से नया इतिहास रचेंगे दोनों विवि**

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर ने शैक्षणिक गतिविधियों को अंतराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से यह एमओयू किया है। आपसी समन्वय से महायोगी गोरखनाथ विवि व लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगे। नेपाली प्रतिमंडल के बसंत आचार्य ने कहा कि एमओयू से बौद्ध दर्शन, साहित्य, शिक्षा, इतिहास, पुरातत्व और संस्कृति के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए दोनों विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित होंगे।

## गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव व सेमिनार कल

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में इरादा टेक फाउंडेशन द्वारा 13 अप्रैल को प्लेसमेंट ड्राइव एवं सेमिनार का आयोजन किया गया है।

डीडीयू के कृषि संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र ने बताया कि सेमिनार 'एंग्रिप्रेनोशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं कृषि शिक्षा में रावे के महत्व' पर होगा। इसके बाद एमएससी एजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव होगा।

प्रो. शरद ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कृषि क्षेत्र में व्यवसाय के लिए काम करने के विशिष्ट क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान करना है। साथ ही स्वयं और कृषि समुदाय के लिए नए रोजगार का सृजन करना भी है। इस तरह के आयोजन से न केवल प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि कृषि समुदाय के समग्र शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में भी योगदान मिलेगा।

# आयुष आहार में है पौष्टिक गुणों की दिव्यता

**■ महायोगी गोरखनाथ विवि में आयुष आहार विषय पर व्याख्यान**

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) में बुधवार को आयुष आहार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद एसोसिएशन आफ आयुर्वेद एकेडमी, लंदन के निदेशक डा. वेंकटेश जोशी ने कहा कि आयुष आहार में पौष्टिक गुणों की दिव्यता है।

डा. जोशी ने कहा कि भारतीय लोगों के बीच स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष आहार कार्यक्रम के माध्यम से प्रगतिशील कदम उठाया गया है। आहार हमारे शरीर को पोषण एवं ऊर्जा देता है। डा. जोशी ने कहा कि हमारा शरीर पंचमहाभूतों से मिल कर बना है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर मे तीन दोष वात, पित्त व कफ होते हैं। महाभूतों एवं दोषों के असंतुलन से व्यक्ति व्याधियों से ग्रसित होता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक आहार खाने का एक पैटर्न है जो आपके विशिष्ट दोष या शरीर के प्रकार के लिए दिशानिर्देशों का पालन करके आपके शरीर के भीतर संतुलन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। आयुष आहार हजारों वर्षों से चला आ रहा है। कई अन्य आहारों के विपरीत,आयुष आहार आपके शरीर के प्रकार के आधार पर व्यक्तिगत रूप से निर्धारित किया जाता है कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और कौन से खाने से बचना चाहिए? डा. जोशी ने कहा कि आयुष आहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल आपके शरीर के लिए बल्कि आपके दिमाग के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है? हाल ही में आयुष मंत्रालय ने आयुष भवन (दिल्ली) में अपनी कैंटीन में आयुष आहार उपलब्ध कराकर एक नई शुरुआत की। कार्यक्रम में संहिता विभाग के आचार्य डा. शांतिभूषण ने डा. जोशी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कालेज के आचार्य डा. नवीन ने किया। कार्यक्रम में द्रव्यगुण की सह आचार्य डा. यास्मीन एवं संहिता विभाग की सहायक आचार्य डा. प्रज्ञा सिंह सहित सभी छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेद द्वितीय व्यावसायिक सत्र के छात्र आशीष चौधरी ने किया।

# महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी में शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स

**कार्यपरिषद की बैठक में एमबीबीएस, बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को हरी झंडी**

**बीएएमएस, नर्सिंग और फार्मेसी में जारी प्रवेश प्रक्रिया, 30 अप्रैल तक होंगे ऑनलाइन आवेदन**

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (7 April): बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024-25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की पूरी उम्मीद है. विश्ववविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है. महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई. कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है. बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया. इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई. यह भी तय किया गया कि सत्र 2024-25 से प्रवेश के समय

ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा.

**30 तक ऑनलाइन आवेदन**

कार्यपरिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की. बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे. प्रवेश परीक्षा अलग अलग निर्धारित तिथियों में होगी. कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई. बैठक के दौरान वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया. बैठक में कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र (वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद), कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. सुमित कुमार एम, प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष उपस्थित रहे.

# आयुष आहार में है पौष्टिक गुणों की दिव्यता : डॉ. जोशी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बुधवार को आयुष आहार पर व्याख्यान देते वक्ता।

गोरखपुर, वसं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बुधवार को आयुष आहार विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद ...मी, लंदन (यूके) के निदेशक ... जोशी ने कहा कि आयुष ...क गुणों की दिव्यता है।

डॉ. जोशी ने कहा कि आहार हमारे शरीर को पोषण एवं ऊर्जा देता है। हमारा शरीर पंचमहाभूतों से मिलकर बना है। संहिता विभाग के आचार्य डॉ. शांतिभूषण ने डॉ. जोशी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के आचार्य डॉ. नवीन ने किया। सह आचार्य डॉ. यास्मीन, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह मौजूद रहे। संचालन आशीष चौधरी ने किया।

# महायोगी गोरखनाथ विवि में शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स

- विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में एमबीबीएस और बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को हरी झंडी
- बीएएमएस, नर्सिंग और फार्मेसी में जारी है प्रवेश प्रक्रिया, 30 अप्रैल तक होंगे ऑनलाइन आवेदन
- कार्यपरिषद की बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट पारित

गोरखपुर (विधान केसरी)। बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024.25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की पूरी उम्मीद है। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024.25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा। कार्यपरिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फर्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 1 अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा अलग अलग निर्धारित तिथियों में होगी। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2024.25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया। बैठक में कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉण् हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. सुमित कुमार एमए प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष उपस्थित रहे।

# समाचार दर्पण

## यौन शोषण से बचाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन

**गोरखपुर (एसएनबी)।** फैकेल्टी आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बी फार्मा और डी फार्मा के छात्रों के बीच समाधान अभियान की निदेशक श्रीमती शीलम बाजपेई द्वारा चुप्पी तोड़ - हल्ला बोल यौन शोषण से बचाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य अतिथि और समाधान अभियान की निदेशक श्रीमती बाजपेई ने बच्चों को यौन शोषण से बचने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने, बच्चों को अपने शरीर के साथ संवेदन शीलता और असुरक्षित स्थितियों में सुरक्षित रहने पर विस्तार से जानकारी को साझा किया, साथ ही शिक्षकों ,अभिभावकों और समाज के सभी सदस्यों को इस मुद्दे पर जागरूक करना और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण उद्देश्य था। छात्रों ने इस कार्यशाला में ध्यानपूर्वक एवं अनुशासित होकर भाग लिया तथा उनको बहुत ही ज्ञानवर्धक बातें जानने को मिलीं। श्रीमती बाजपेई द्वारा छात्रों को इन सभी बातों को आत्मसात करने की शपथ दिलाई गई । कार्यशाला का कुशल संचालन डा. शशिकांत सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन गौरीश नारायण सिंह ने किया।

## कार्यशाला आयोजित

गोरखपुर,३० अप्रैल। फैकेल्टी आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, में बी फार्मा और डी फार्मा के छात्रों के बीच समाधान अभियान की निदेशक शीलम बाजपेई जी द्वारा चुप्पी तोड़-हल्ला बोलयौन शोषण से बचाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य अतिथि और समाधान अभियान की निदेशक शीलम बाजपेई जी ने बच्चों को यौन शोषण से बचने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने, बच्चों को अपने शरीर के साथ संवेदन शीलता और असुरक्षित स्थितियों में सुरक्षित रहने पर विस्तार से जानकारी को साझा किया,साथ ही शिक्षकों ,अभिभावकों और समाज के सभी सदस्यों को इस मुद्दे पर जागरूक करना और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण उद्देश्य था। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में ध्यानपूर्वक एवं अनुशासित होकर भाग लिया तथा विद्यार्थियों को बहुत ही ज्ञानवर्धक बातें जानने को मिलीं। श्रीमती शीलम बाजपेई द्वारा विद्यार्थियों को इन सभी बातों को आत्मसात करने की शपथ दिलाई गई । कार्यशाला का कुशल संचालन डॉक्टर शशिकांत सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन श्री गौरीश नारायण सिंह जी ने दिया।

## महायोगी गोरखनाथ विवि और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विवि के बीच एमओयू

### शैक्षणिक व अनुसंधान क्रिया-कलापों को मिलकर बढ़ावा देंगे दोनों संस्थान

**अमर उजाला ब्यूरो**

एमओयू के दौरान उपस्थित डॉ. अतुल वाजपेयी, प्रदीप राव व अन्य। संवाद

**गोरखपुर।** शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रिया-कलापों को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के बीच शनिवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलसचिव प्रो. एनएस हरिनारायण मूर्ति ने इस पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस एमओयू के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि शामिल है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने एमओयू का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों संस्थाएं नवाचार व आविष्कार के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान देंगी।

इस दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से एमओयू समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विभाग प्रो. सुनील कुमार मौजूद रहे।

## गोरखनाथ विवि और अमरकंटक यूनिवर्सिटी में करार

**एमओयू**

- फार्मेसी, नर्सिंग, योग, जैव प्रौद्योगिकी व पैरामेडिकल के क्षेत्र में हुआ समझौता
- शैक्षणिक और अनुसंधान क्रियाकलापों को मिलकर बढ़ावा देंगे दोनों संस्थान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय लगातार अभिनव प्रयास कर रहा है। इसको देखते हुए महायोगी गोरखनाथ विवि एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के बीच शनिवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ।

एमओयू पर हस्ताक्षर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विवि अमरकंटक के कुलसचिव प्रो. एनएस हरिनारायण मूर्ति ने किया। इस एमओयू के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि शामिल है। दोनों संस्थानों की तरफ से इन विषयों पर अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान के साथ ही वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रो श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने ने संस्थानों के बीच एमओयू का स्वागत किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के समय विश्वविद्यालय से एमओयू समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकान्त, प्रो. सुनील सिंह, डा. मंजूनाथ एनएस आदि उपस्थित रहे।

## शैक्षणिक व अनुसंधान क्रिया-कलापों को मिलेगा बढ़ावा

**गोरखपुर (एसएनबी)।** शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रिया-कलापों को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के बीच शनिवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ।

महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विवि के बीच ओएमयू के दौरान कुलपति प्रो. मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी, कुलपति डा. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, कुलसचिव डा. प्रदीप राव व अन्य।

एमओयू पर हस्ताक्षर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलसचिव प्रो. एनएस हरिनारायण मूर्थि ने किया। एमओयू के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में पैरामेडिकल, फार्मेसी, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि शामिल है। दोनों संस्थानों की तरफ से इन विषयों पर अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान के साथ ही वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच एमओयू का स्वागत किया ।

**■ महायोगी गोरखनाथ विवि व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विवि के बीच एमओयू**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने एमओयू का स्वागत करने के साथ लक्षित उद्देश्यों के प्रति अपनी शुभकामनाएं दी। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के वक्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से एमओयू समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकान्त, अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ विभाग प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्राचार्य आयुर्वेद डॉ. मंजूनाथ एनएस, प्राचार्य फार्मेसी डॉ. शशिकान्त, प्राचार्य पैरामेडिकल रोहित कुमार श्रीवास्तव व उपप्राचार्य नर्सिंग श्रीमति प्रिन्सी जॉर्ज आदि मौजूद रहीं।

## गोरखनाथ व इंदिरा गांधी विवि बनेंगे सहयोगी

### सहयोग के लिए गोरखनाथ विश्वविद्यालय व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में हुआ करार

**जागरण संवाददाता, गोरखपुर :** शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक एक दूसरे का सहयोग करेंगे। अकादमिक कार्य के लिए एक-दूसरे के परिसर का इस्तेमाल भी करेंगे। इसे लेकर दोनों विश्वविद्यालय के बीच शनिवार को करार हुआ। गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एनएस हरिनारायण मूर्थि ने इस करारनामे पर हस्ताक्षर किया। इस करार में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, योग एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि विषय शामिल है।

करारनामा दिखाते गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, इंदिरा गांधी विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ● सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

दोनों संस्थानों की तरफ से इन विषयों पर अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान के साथ ही वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने इस करार को शैक्षणिक, अनुसंधान, और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार और साझा उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए मील का पत्थर बताया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने ने कहा कि इस समझौते से दोनो संस्थाएं उज्जवल एवं श्रेष्ठ भारत के परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए नवाचार व अविष्कार के क्षेत्र में अपना अमुल्य योगदान दे सकेंगे। करार प्रक्रिया के दौरान गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्राचार्य आयुर्वेद कालेज डा. मंजूनाथ, प्राचार्य फार्मेसी डा.शशिकांत, प्राचार्य पैरामेडि[illegible] कालेज रोहित श्रीवास्तव, [illegible] नर्सिंग कालेज प्रिन्सी[illegible] मौजूद रहीं।

स्वस्ति पन्थामनुचरेम

## समाचार दर्पण

# लोकतंत्र के निर्माण को जरूर करें मतदान

**जागरूकता**

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह आयोजन आयुर्वेद कॉलेज के प्रार्थना सभागार में हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने रंग, अबीर-गुलाल से विविध आकृतियों को उकेर कर युवा मतदाताओं को आकर्षित किया।

'चलो मतदान करें' और 'वोट फॉर श्योर' पर केंद्रित रंगोली प्रतियोगिता में सभी विभागों से दो दर्जन से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिता में रंगोली बनाते छात्र। • हिन्दुस्तान

प्रतियोगिता में निर्णायक, सहायक आचार्य डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। निर्णायक मंडल की कृषि संकाय विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सासेती प्रेमकुमारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्योहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। आयोजन मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में हुआ। एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे, डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पाण्डेय, पूजा जायसवाल, नंदिनी जायसवाल, अध्यक्ष रंजीत शर्मा आदि रहे।

ई नोटिस
...विल जज (सी.डि.
...संख्या 18312822
...बनाम रामदरस

## मतदाता जागरूकता अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व और आओ मिलकर हम सब मतदान करें विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भाषण प्रतियोगिता में युवा मतदाताओ को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता उत्साहित हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल सहायक आचार्य डॉ. अवेद्यनाथ सिंह ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। सहायक आचार्य डॉ. किरण कुमार ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव में वोटिंग के ग्राफ को शत प्रतिशत करने का प्रयास हम सभी को मिलजुल कर करना होगा। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 40 प्रतिशत युवा मतदाता पंजीकृत हुए हैं। भाषण प्रतियोगिता में अंशिका सिंह, अर्चना कुमारी, अनुभव, आशीष दूबे, सूरज यादव, निखिल प्रकाश पांडेय, उज्ज्वल पाठक, अमन यादव, नम्रता शर्मा, उत्कर्ष सिंह, निखिल प्रकाश, अभिषेक ओझा आदि ने अपनी बात रखी। संचालन खुशी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल ने उत्कर्ष सिंह को प्रथम, आशीष दूबे को द्वितीय और आंशिक को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया।

# फाइटोप्लाज्मा सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलाजी विभाग में शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दीदउ गोविवि

■ **महायोगी गोरखनाथ विवि के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में अतिथि व्याख्यान आयोजित**

में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डा.स्मृति मल्ल ने बताया कि फाइटोप्लाज्मा दुनियाभर में सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण बनता है। इससे कई फलदार और औषधीय गुणों वाले पौधे भी नष्ट हो रहे हैं। इन पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

डा. मल्ल ने कहा कि घास, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों से लेकर उच्च पौधों तक

महायोगी गोरखनाथ विवि के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में अतिथि व्याख्यान।

फाइटोप्लाज्मा रोगग्रस्त पौधे में अपने अलग-अलग विशिष्ट लक्षणों के लिए जाना जाता है। उन्होंने बताया कि आज फाइटोप्लाज्मा की पहचान के लिए नवीन तकनीकियां आ गई हैं जिन्हें अपनाकर इससे होने वाली बीमारियों से पौधों को बचाया जा सकता है। डा. मल्ल ने माइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में करियर डेवलपमेंट से जुड़ी जानकारियां भी विद्यार्थियों संग साझा की। व्याख्यान में विषय विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से अवगत कराने के लिए संकाय छात्रों के लिए नियमित तौर पर मार्गदर्शक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस अवसर पर विवि के अधिष्ठाता प्रशासन डा. राजेन्द्र भारती, प्रज्ञा पांडेय, डा. अखिलेश कुमार दूबे, विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सृष्टि यदुवंशी ने किया।

# फाइटोप्लाजमा से बीमार पौधों की करें पहचान

**गोरखनाथ विवि**

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विवि के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्मृति मल्ल ने कहा कि फाइटोप्लाज्मा दुनियाभर में सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण बनता है। इससे कई फलदार और औषधीय गुणों वाले पौधे भी नष्ट हो रहे हैं।

डॉ. मल्ल ने कहा कि अब फाइटोप्लाज्मा की पहचान को नवीन तकनीकियां आ गई हैं। जिन्हें अपनाकर इससे होने वाली बीमारियों से पौधों को बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि संकाय छात्रों के लिए नियमित तौर पर मार्गदर्शक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विवि के अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. राजेंद्र भारती, प्रज्ञा पांडेय, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे उपस्थित रहे।

## पैरामेडिकल कोर्स में प्रवेश को आवेदन 30 तक

गोरखपुर। गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पैरामेडिकल के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। पैरामेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसमें प्रवेश को परीक्षा 26 मई को होगी। पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी वेबसाइट से जानकारी ले सकते हैं।

# पैरामेडिकल के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 तक

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पैरामेडिकल के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पैरामेडिकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए परीक्षा 26 मई को होगी। विश्वविद्यालय में पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि इच्छुक और अर्हता रखने वाले विद्यार्थी डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ...न आवेदन कर सकते हैं। ...न ऑर्थोपेडिक एण्ड

प्लास्टर टेक्नीशियन कोर्स पूरे पूर्वांचल में सिर्फ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ही संचालित हो रहा है। प्रवेश के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया 1 अप्रैल से जारी है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में पैरामेडिकल के ये कोर्स तीन साल से उपलब्ध होने से अब गोरखपुर व आसपास क्षेत्र के किसी भी विद्यार्थी को गोरखपुर से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है।

# पौधों के रोगों का कारण है फाइटोप्लाज्मा

गोरखपुर

**अमृत विचार।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्मृति मल्ल ने बताया कि फाइटोप्लाज्मा दुनियाभर में सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण बनता है। इससे कई फलदार और औषधीय गुणों वाले पौधे भी नष्ट हो रहे हैं। इन पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है। डॉ. मल्ल ने कहा कि घास, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों से लेकर उच्च

छात्र-छात्राओं को संबोधित करतीं डॉ. स्मृति मल्ल। अमृत विचार

पौधों तक फाइटोप्लाज्मा रोगग्रस्त पौधे में अपने अलग-अलग विशिष्ट लक्षणों के लिए जाना जाता है। उन्होंने बताया कि आज फाइटोप्लाज्मा की पहचान के लिए नवीन तकनीकियां आ गई हैं जिन्हें अपनाकर इससे होने वाली बीमारियों से पौधों को बचाया जा सकता है। डॉ. मल्ल ने माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में करियर डेवलपमेंट से जुड़ी जानकारियां भी विद्यार्थियों संग साझा की। विषय विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से अवगत कराने के लिए संकाय छात्रों के लिए नियमित तौर पर कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

## फाइटोप्लाज्मा बनता है सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण : डॉ. स्मृति मल्ल

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्मृति मल्ल ने बताया कि फाइटोप्लाज्मा दुनियाभर में सैकड़ों पौधों की बीमारियों का कारण बनता है। इससे कई फलदार और औषधीय गुणों वाले पौधे भी नष्ट हो रहे हैं। व्याख्यान में विषय विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से अवगत कराने के लिए संकाय छात्रों के लिए नियमित तौर पर मार्गदर्शक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

# मलेरिया दुनिया की सबसे घातक परजीवी बीमारियों में से एक

**मलेरिया के खिलाफ जारी लडाई में तेजी लाना है लक्ष्यः प्रज्ञा पाण्डेय**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में विश्व मलेरिया दिवस पर एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की शिक्षिका प्रज्ञा पाण्डेय ने छात्रो को बताया कि मलेरिया वास्तव में दुनिया की सबसे घातक परजीवी बीमारियों में से एक है, जिसके कारण 2017 में वैश्विक स्तर पर 21.9 करोड़ से अधिक मामले और 4.35 लाख मौतें हुईं। मलेरिया से हर साल 200 करोड़ लोगों को ख़तरा होता है, जिनमें 90 स्थानिक देशों के निवासी और 12.5 करोड़ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल हैं यदि उपचार में देरी होती है तो गंभीर जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं जैसे कई मलेरिया एनीमिया, सेरेब्रल मलेरिया, कोमा या मृत्यु हो जाती है इस गिनती पर अंकुश लगाने के लिए बिमारी और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिस कारण विश्व मलेरिया दिवस मनाये जाने कि शुरुआत वर्ष 2000 से प्रारंभ की गयी उस समय अफ़्रीकी देश में विश्व अफ्रीका मलेरिया दिवस के नाम से मनाया जाता था जिसे वर्ष 2008 से विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इस दिवस का मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य विश्व के हर व्यक्ति को इस जानलेवा रोग के प्रति जागरूक करना, इसके रोकथाम करना, वैक्सीन इत्यादि कि खोज कर विश्व को मलेरिया से मुक्त करना है 7 इस दिन को मनाने के लिए हर वर्ष एक नई थीम रखी जाती है इस वर्ष की थीम 'मलेरिया के खिलाफ जारी लडाई में तेजी लाना है एवं पिछले वर्ष में राखी जाने वाली थीम के बारे में भी बताया गया जिसमे वर्ष 2020 में राखी गयी थीम "Zero malaria starts with me" पर विशेष जोर दिया गया एवं सुश्री सृष्टि यदुवंशी ने कहा कि मलेरिया एक प्रोटोज़ोआ संक्रमण है जो संक्रमित मादा (एनोफिलीज) मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छरों को नियंत्रित करें, मच्छर के काटने से बचें, निवारक दवाएं लें, कूड़ा या गंदगी पड़ी जगहों पर न जाएं, मानसून या गर्मी में खुद को अच्छी तरह से खुद को हाइड्रेट रखें,लंबे स्लीव्स वाले शर्ट और पैंट पहनें, घर के आस-पास पानी स्थिर न होने दें इत्यादि बचाव से मलेरिया से बच सकते है। फाल्सीपेरम मलेरिया के अन्य लक्षणों में दस्त, पीलिया तीव्र ज्वर और किडनी की विफलता शामिल हैं। रक्त में सूगर (ग्लूकोज़) का भी स्तर गिर सकता है। कार्यक्रम में विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक है मलेरिया

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में गुरुवार को विश्व मलेरिया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में माइक्रोबायोलॉजी की शिक्षिका प्रज्ञा पाण्डेय मौजूद रहीं। उन्होंने छात्रों को बताया कि मलेरिया दुनिया की सबसे घातक परजीवी बीमारियों में से एक है।

इसके कारण 2017 में वैश्विक स्तर पर 21.9 करोड़ से अधिक मामले और 4.35 लाख मौतें हुईं। मलेरिया से हर साल 200 करोड़ लोगों को खतरा होता है। जिनमें 90 देशों के निवासी और 12.5 करोड़ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल हैं। इलाज में देरी हो तो गंभीर जटिलताएं उत्पन्न होती हैं। मर्ज गंभीर होने पर मलेरिया एनीमिया, सेरेब्रल मलेरिया, कोमा या मौत हो जाती है। उन्होंने बताया कि मलेरिया दिवस का मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य इस जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक करना है।

इस अवसर पर सृष्टि यदुवंशी ने कहा कि मलेरिया प्रोटोजोआ संक्रमण है। संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया के लक्षणों में दस्त, पीलिया तीव्र ज्वर और किडनी की विफलता शामिल हैं। कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

# महायोगी गोरखनाथ विवि में शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। बीएएमएस कोर्स का पूर्ण क्षमता से सफल संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024-25 से एम बी बी एस की पढ़ाई भी शुरू होने की पूरी उम्मीद है। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024-25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा।

विवि कार्यपरिषद की बैठक में एमबीबीएस व बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को हरी झंडी

# गोरखनाथ विवि में इसी सत्र से शुरू होगा एमबीबीएस में प्रवेश

**खुशखबरी**

**148** करोड़ का बजट पारित हुआ कार्यपरिषद की बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए

**30** अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। बीएएमएस कोर्स का संचालन कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चंद प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सत्र 2024-25 से एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू होने की पूरी उम्मीद है। विश्ववविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकान्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत-प्रतिशत ऑनलाइन

कार्य परिषद की बैठक में कुलपति डॉ. अतुल वाजपेयी व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव।

करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024-25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा।

कार्यपरिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एक अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग निर्धारित तिथियों में होगी। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ का बजट भी पारित किया गया।

बैठक में कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य प्रमथनाथ मिश्र, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, डीडीयू की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. सुमित कुमार एम, प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष उपस्थित रहे।

# महायोगी गोरखनाथ विवि में शुरू होगा एमबीबीएस व बीबीए लॉजिस्टिक कोर्स

**विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में पाठ्यक्रम को मिली हरी झंडी**

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में सत्र 2024-25 से एमबीबीएस और बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को मंजूरी मिल गई। कार्य परिषद की बैठक में इन दोनों को मंजूरी दी गई। कार्यपरिषद की बैठक में कुल 73 बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान वर्ष 2024-25 के लिए 148 करोड़ रुपये का बजट भी पारित किया गया।

कार्यपरिषद की बैठक रविवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस के साथ ही बीबीए लॉजिस्टिक पाठ्यक्रम को कार्यपरिषद की मंजूरी मिल गई है।

**बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी में जारी है प्रवेश प्रक्रिया, 30 तक होंगे ऑनलाइन आवेदन**

बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को शत-प्रतिशत ऑनलाइन करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रवेश समिति को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध प्रवेश कार्यवाही की अनुमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सत्र 2024-25 से प्रवेश के समय ही छात्रावास का आवंटन किया जाएगा।

कार्य परिषद ने बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी संकाय के कोर्सेज समेत अन्य कई महत्वपूर्ण यूजी, पीजी, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एक अप्रैल से शुरू प्रवेश प्रक्रिया पर भी चर्चा की। बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग निर्धारित तिथियों में होगी।

कार्यपरिषद की बैठक में उपस्थित कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ प्रदीप राव, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी कमलनाथ, कार्य परिषद सदस्य महंत योगी मिथलेश नाथ व अन्य। स्रोत - संस्था

**बैठक में ये रहे मौजूद**

*बैठक में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कार्यपरिषद सदस्य महंत योगी मिथिलेशनाथ, रामजन्म सिंह व प्रमथनाथ मिश्र (वरिष्ठ सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद), कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम सिन्हा, संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. सुमित कुमार एम, प्रिया एसआर नायर, मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, सहायक अभियंता आशीष उपस्थित रहे।*

# 'महायोगी गोरखनाथ विवि ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ायी'

**विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024–25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातकः परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदघ्लाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग–अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स ६ एमएससी ( बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी ), बीएससी ऑनर्स कृषि, बी फार्मा एवं डी फार्मा (एलोपैथ) कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबीए लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफलाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स **https://mgug.ac.in/** पर ऑनलाइन उपलब्ध है। **admissions@mgug.ac.in** पर भी जानकारी ली जा सकती है । साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हेल्पलाइन नंबर 9559991801 भी जारी किया गया है।

# महायोगी गोरखनाथ विवि ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ायी

**विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन**

सत्य संगम संवाददाता

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स / एमएससी ( बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी ), बीएससी ऑनर्स कृषि, बी फार्मा एवं डी फार्मा (एलोपैथ) कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबीए लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफलाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स पर ऑनलाइन उपलब्ध है। साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हेल्पलाइन नंबर ... जारी किया गया ...

# आयोग का है फरमान, वृद्ध हों या दिव्यांग, घर पर कर सकेंगे मतदान

**मतदान की तिथि 04 व 05 मई 2024 निर्धारित**

बहराइच। लोकसभा चुनाव-2024 के मतदान में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांगजन मतदाताओं तथा कोविड-19 के संदिग्ध या प्रभावित मतदाताओं को वैकल्पिक सुविधा के रूप में पोस्टल बैलट से मतदान कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिले के 80 वर्ष से अधिक आयु तथा दिव्यांगजन मतदाताओं के मतदान हेतु 04 व 05 मई 2024 की तिथियाँ निर्धारित की गयी है। ऐसे मतदाता जो किन्ही कारणों से 04 मई को मतदान नहीं कर पायेंगे उन्हें 05 मई 2024 को दोबारा मतदान का अवसर मिलेगा। जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार यदि बुजुर्ग व दिव्यांगजन मतदाताओं की बात की जाय तो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बलहा में 80 वर्ष से अधिक आयु के 21 व दिव्यांगजन कटेगरी के 15 कुल 36 मतदाता चिन्हित है। इसी प्रकार नानपारा में 18 बुजुर्ग व दिव्यांग 17 कुल 35, मटेरा में 09 बुजुर्ग व दिव्यांग 08 कुल 17, महसी में 17 बुजुर्ग व दिव्यांग 08 कुल 25, बहराइच में 18 बुजुर्ग व दिव्यांग 13 कुल 31 इस प्रकार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र-56 (अ0जा0) बहराइच में कुल 144 मतदाता जिनमें 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 83 व दिव्यांगजन कैटेगरी के 61 मतदाता है। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बहराइच अन्तर्गत विशेष कैटेगरी के मतदाताओं के मतदान हेतु विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र बलहा व नानपारा के लिए 03-03 तथा मटेरा, महसी व बहराइच के लिए 02-03 टीमें बनाई गई है। जबकि 02 टीमें रिज़र्व में रहेंगी। जनपद के बुजुर्ग व दिव्यांगजन मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग की मंशानुरूप बैलेट मतपत्र की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि प्रत्येक मतदान दल में पीठासीन अधिकारी स्तर के 02 मतदान कार्मिक तथा 01 माइक्रोआब्जर्वर की नियुक्ति की ...

# समाचार दर्पण

## महायोगी गोरखनाथ विवि ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ायी

गोरखपुर, 29 अप्रैल। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी।यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है।

प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बद ?लाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स / एमएससी ( बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी ), बीएससी ऑनर्स कृषि, बी फार्मा एवं डी फार्मा (एलोपैथ) कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबीए लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफलाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स पर ऑनलाइन उपलब्ध है। पर भी जानकारी ली जा सकती है । साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हेल्पलाइन नंबर 9559991801 भी जारी किया गया है।

❖ विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन

## महायोगी गोरखनाथ विवि ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ायी

### विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन

**रवि प्रकाश गुप्ता**

गोरखपुर।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बद ?लाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स / एमएससी ( बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी ), बीएससी ऑनर्स कृषि, बी फार्मा एवं डी फार्मा (एलोपैथ) कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबीए लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफलाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स https://mgug.ac.in/ पर ऑनलाइन उपलब्ध है। admissions@mgug.ac.in पर भी जानकारी ली जा सकती है ।साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हेल्पलाइन नंबर 9559991801 भी जारी किया गया है।

## महायोगी गोरखनाथ विवि ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ायी

### विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन

ग्राम स्वराज्य

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी।यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स / एमएससी ( बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी ), बीएससी ऑनर्स कृषि, बी फार्मा एवं डी फार्मा (एलोपैथ) कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबीए लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफलाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स https://mgug.ac.in/ पर ऑनलाइन उपलब्ध है। admissions@mgug.ac.in पर भी जानकारी ली जा सकती है । साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हेल्पलाइन नंबर 9559991801 भी जारी किया गया है।

## महायोगी गोरखनाथ विवि मे ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

**विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 मई तक किया जा सकेगा आवेदन**

**गोरखपुर ( विधान केसरी )।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024.25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबी, लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने ...न्होंने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक ...द सीबीएसई के विलंबित ...वेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है।

प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी। बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। जबकि जीएनएम, बीएससी ऑनर्स/एमएससी बायोटेक्नो लॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकलबायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी ऑनर्स कृषिए बी फार्मा एवं डी फार्मा एलोपैथ कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 मई को होगी। एएनएम, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एन्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एन्ड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीशिया एन्ड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, पीएचडी, बीबी, लॉजिस्टिक के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 मई निर्धारित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे। ऑफ्लाइन कॉउंसलिंग, प्रमाण पत्रों का सत्यापन और शुल्क जमा करने के कार्य 5 से 14 जून तक होंगे। रिक्त सीटों पर कॉउंसलिंग 15 जून को होगी।

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई से कक्षाओं का प्रारम्भ हो जाएगा। कोर्स एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट्स ipर ऑनलाइन उपलब्ध है। साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफसे हेल्पलाइन नंबर 9559991801 भी जारी किया गया है।

## प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाई गई

गोरखपुर

**अमृत विचार।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रोजगारपरक एवं अन्य महत्वपूर्ण विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब यहां बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा, बीबीए लॉजिस्टिक समेत कई जॉब ओरिएंटेड और स्नातक/परास्नातक, डॉक्टरेट व डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के विलंबित रिजल्ट्स से प्रवेश लेने के इच्छुक बहुत से अभ्यर्थी लगातार विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति से संपर्क कर रहे हैं। इसके कारण छात्र हित में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने 1 अप्रैल से जारी प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई करने का निर्णय लिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा अलग-अलग पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित पूर्ववत तिथियों में होगी।

# निर्माणाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन क्रीड़ांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

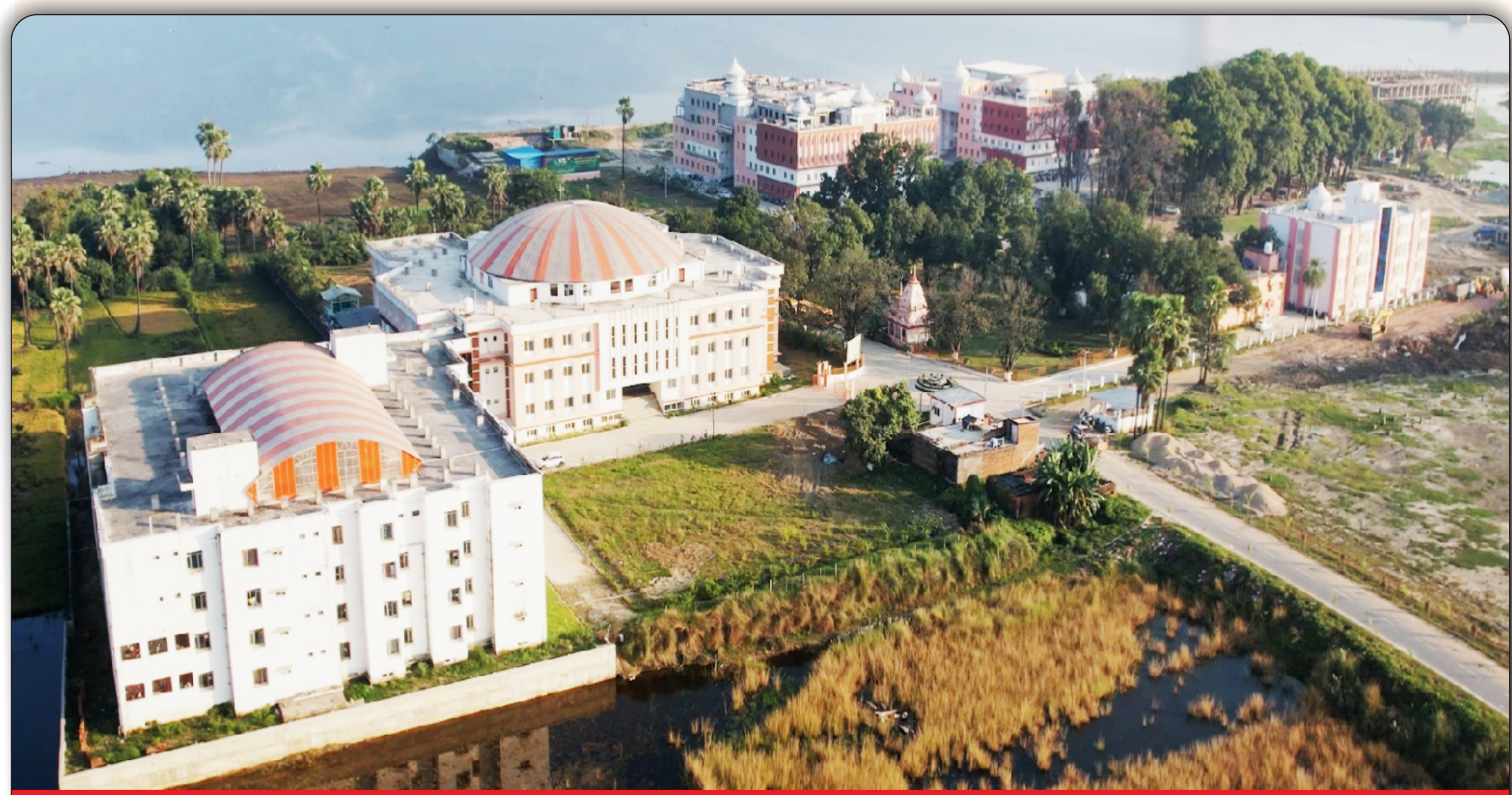

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 डॉ. स्मृति मल्ल

02 डॉ. वेंकटेश जोशी

03 श्रीमती शीलम वाजपेई

04 रंगोली बनाती छात्राएं

05 मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग में उपस्थित नर्सिंग कॉलेज की शिक्षिकाएं

06 मेंहदी प्रतियोगिता के दौरान छात्राएं

07 नुक्कड़ नाटक के दौरान नर्सिंग की छात्राएं

08 समझौता ज्ञापन में उपस्थित माननीय कुलपति, डॉ. अजीत कुमार शासनी व अन्य

09 समझौता ज्ञापन में माननीय कुलपति, कुलसचिव, प्रोफेसर एन.एस. हरिनारायण मूर्थि

10 समझौता ज्ञापन में माननीय कुलपति, कुलसचिव, प्रो. सुबर्ण लाल बज्राचार्य व अन्य

**प्रधान सम्पादक**
डॉ. विमल कुमार दूबे

**सम्पादक**
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

**संपादक मण्डल**
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

**ग्राफिक्स डिजाइनर:** श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
https://www.mgug.ac.in/
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur